लोबिया की नयी प्रजाति जारी

पंतनगर। 10 अक्टूबर, 2009। विश्वविद्यालय के आनुवांशिकी एवं पादप प्रजनन विभाग के वैज्ञानिकों द्वारा विकसित चारा लोबिया की नयी प्रजाति 'यूपीसी–625' को केन्द्र सरकार के कृषि मंत्रालय की केन्द्रीय प्रजाति विमोचन समिति द्वारा हाल ही में उप महानिदेशक (फसल विज्ञान) की अध्यक्षता में सम्पन्न बैठक में जारी किया गया। यह प्रजाति उत्तराखण्ड, पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, बिहार, पश्चिमी बंगाल, असम, झारखण्ड, छत्तीसगढ़, उड़ीसा, मध्य प्रदेश, गुजरात एवं महाराष्ट्र राज्यों में उगाये जाने हेतु संस्तुत की गयी है।

इस प्रजाति के विकास में विशेष भूमिका निभाने वाले विश्वविद्यालय के वरिष्ठ पादप प्रजनक एवं प्राध्यापक डा. जे.एस. वर्मा के अनुसार इस प्रजाति के पौधों की पत्तियों की वृद्धि घनी होती है और उच्च पत्ती–तना अनुपात (0.80–0.90) के कारण उच्च गुणवत्ता वाला चारा प्राप्त होता है। 50 प्रतिशत पुष्पन अवस्था पर इस प्रजाति की उत्पादन क्षमता 35–40 टन प्रति हैक्टेयर हरा चारा और 4.5–5.0 टन प्रति हैक्टेयर सूखा पदार्थ पायी गयी है। यह प्रजाति 80–85 दिन में चारे के लिए तैयार हो जाती है। उच्च गुणवत्तायुक्त चारे के उत्पादन के अतिरिक्त इस प्रजाति से 6–8 कुन्तल प्रति हैक्टेयर दाना भी प्राप्त होता है। यह प्रजाति पीला मोजेक वाइरस, कालर/जड़ सड़न, ऐन्थ्रेकनोज, पर्णचित्ती, एफिड, फलीबीटल, फली भेदक और रूट नॉट नेमाटोड के लिए प्रतिरोधी है। इस प्रजाति के चारे में क्रूड प्रोटीन की मात्रा 15–17 प्रतिशत होती है और पाचनशीलता 65–70 प्रतिशत होती है। फलियाँ 18–20 से.मी. लम्बी होती हैं और बीज झड़ने के प्रति सहनशील होती हैं। फली पकने की अवस्था पर यूपीसी–625 प्रजाति क्रीमी सफेद रंग के, दाल के रूप में प्रयोग होने वाले, गुणवत्तायुक्त बीज के साथ–साथ हरा चारा भी उत्पादित करती है।

लोबिया की नई प्रजाति यूपीसी–625 के पौधे (1) व दाने (2)